GOVT. NATIONAL COLLEGE, SIRSA
राजकीयनैशनलमहाविद्यालय, सिरसा
B++ Grade, NAAC Accredited

Website: gncsirsa.edu.in,

GOVT. NATIONAL COLLEGE, SIRSA
Various Activities by Women Cell, GNC Sirsa

SESSION 2025-26

Title of the Activity: *Samvedna: A* Gender Sensitization Campaign

Date: 03/09/2025

Venue: Classrooms

Names of the Teacher Organizers: Women Cell Members

Number of Students attended/benefitted: 680

Details of the Resource Person/s or Organization: 22 teachers from the Departments of English, Hindi, Pol. Science, Economics, Commerce, Computer Science and Psychology delivered lectures in their classes.

Topic/s or Issues Addressed:

- **Gender Sensitization**
- **Rethinking Gender Stereotypes and Gender Role**

A Brief Report:

Women Cell of the college organized a gender sensitization campaign *Samvedna* The initiative aims to bring gender equality through sensitization and awareness. Members of the Women Cell and teachers from various departments addressed assigned sections of the undergraduate and postgraduate classes. The purpose was to sensitize a maximum number of students.

The teachers addressed the following issues in their lectures:

- Meaning of Gender
- Gender as a Social Construct
- Gender and Discrimination

- Gender Stereotypes and Gender Roles
- Need for change in attitude for a just & equitable society

It was a successful campaign and garnered remarkably positive responses from the students.

Photographs of the Event

Media Coverage of the Event

छात्राओं को दी लैंगिक समानता व अधिकारों की जानकारी

पल पल न्यूज: सिरसा, 3 सितंबर। राजकीय नेशनल महाविद्यालय, सिरसा में लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर संवेदना शीर्षक के अंतर्गत एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. हरविंदर सिंह ने की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में लैंगिक समानता, महिलाओं के अधिकारों और सामाजिक संवेदनशीलता के प्रति जागरूकता फैलाना है। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर रमेश सोनी ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि लैंगिक संवेदनशीलता केवल महिलाओं के अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज में समान अवसर, सम्मानजनक व्यवहार और न्यायपूर्ण दृष्टिकोण स्थापित करने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सामाजिक और शैक्षणिक वातावरण में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने से ही वास्तविक प्रगति संभव है। डॉ. मीत ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी केवल शिक्षा प्राप्त करना नहीं है, बल्कि शिक्षा के साथ-साथ समाज में सकारात्मक सोच और व्यवहार को भी अपनाना है। लैंगिक समानता को लेकर युवाओं की जागरूकता ही समाज को नई दिशा दे सकती है। डॉ. मीत ने अपने व्याख्यान में विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को समझाया कि कैसे लिंगभेद समाज के विकास में बाधा बनता है और इसे दूर करने के लिए हर व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने महिला सुरक्षा कानूनों, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित प्रावधानों और महिलाओं के लिए उपलब्ध संवैधानिक अधिकारों पर भी प्रकाश डाला। उप प्राचार्य डॉ. हरविंदर सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज के समय में शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों को समाज में जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देती है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने यह भी रेखांकित किया कि लैंगिक संवेदनशीलता केवल महिलाओं या पुरुषों के लिए ही नहीं, बल्कि यह एक मानवीय मूल्य है जो सभी को समान रूप से प्रभावित करता है। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ के सदस्यों डॉ करमजीत कौर, प्रो परमजीत कौर, प्रो गीता, डॉ मंजू कंबोज, डॉ सरोज बाला, डॉ शोभा, प्रो नीरू, प्रो वंदना, डॉ मीनाक्षी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकों डॉ प्रीति मोंगा, डॉ इंदिरा , डॉ मंजू मेहता, डॉ प्रियंका, डॉ दीपावली, प्रो सुनील कुमार, प्रो रमेश कुमार, प्रो सतपाल वर्मा, डॉ राज कुमारी, प्रो मंदीप कौर, सुश्री निशा इत्यादि ने भी अपनी कक्षाओं में विचार व्यक्त किए और छात्र-छात्राओं को समाज में समानता, सहिष्णुता और सहयोग की भावना विकसित करने का संदेश दिया। अंत में कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सभी ने यह संकल्प लिया कि वे अपने दैनिक जीवन में लैंगिक समानता और संवेदनशीलता को अपनाएँगे तथा समाज में जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएँगे।

राजनीतिक दल स्वार्थ छोड़कर बाढ़ पीड़ितों की करें हर संभव मदद: डा. इंदौरा

पल पल न्यूज: सिरसा, 3 सितंबर। पूर्व सांसद डा. सुशील इंदौरा ने एक प्रेस बयान में कहा कि पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड सहित देश के कई राज्यों में प्राकृतिक आपदा के कारण हालात काफी विकट हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल स्वा

Title of the Activity: HB Testing Camp for Female Students

Date: 16/09/2025

Venue: Multipurpose Hall

Names of the Teacher Organizers: Members of Women Cell

Number of Students benefitted: 285

Details of the Collaborating Organization: Garg Path Laboratory, Sirsa

Objective/s of the Activity:

- To detect the cases of anaemia and malnutrition amongst female students to cure them
- To raise awareness regarding anaemia and its adverse effects on physical and mental well-being
- To provide proper guidance for improving their health.

A Brief Report:

A free HB Testing camp for girl students to celebrate *Poshan Mah* under *Poshan Abhiyan*, a flagship scheme of Govt. of India was organised on 16/09/2025 Technicians from *Garg Path Laboratory* came to check the HB of the female students. In the camp, 150 girls came forward for HB Testing. Dr. Deep Gagneja, MD (Microbiology) from the Garg Path lab also came to visit the camp and interacted with the students. The camp made students aware of the importance of proper HB levels and problems caused by anaemia. They were told their body needs iron and other nutrients to make haemoglobin and healthy red blood cells and this is vital for their physical and mental well-being. The check-up camp was followed by a lecture on nutrition. Garg Path Lab later generated a detailed blood report of the students. The female students with lower HB were given suggestions

on how to improve their HB when they came to collect their reports.

Photographs of the Event

Garg Path Lab
"The results you can trust"
HEALTH

HEALTH

Garg Path Lab
"The results you can trust"
HEALTH
GPS Map Camera
Sirsa, Haryana, India
G2pv+6jr, D C Colony, Sirsa, Haryana 125055, India
Lat 29.535669° Long 75.044082°
16/09/2025 11:15 AM GMT +05:30
Google

Media Coverage of the Event

नेशनल कॉलेज में निशुल्क रक्त जांच शिविर का आयोजन

सिरसा (रा.न्यूज)। राजकीय नेशनल महाविद्यालय, सिरसा में आज प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह की अध्यक्षता एवं महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत के संयोजन में

अतिथियों का स्वागत करते हुए

छात्राओं के लिए एक निःशुल्क रक्त जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह ने छात्राओं को स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर ही शिक्षा और जीवन में प्रगति का आधार है। उन्होंने छात्राओं को नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराने और संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण की आदत डालना है। उन्होंने कहा कि महिला प्रकोष्ठ द्वारा भविष्य में भी ऐसी उपयोगी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा ताकि छात्राओं के सर्वांगीण विकास में मदद मिल सके। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर रमेश सोनी ने बताया कि शिविर में माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. दीप गगनेजा के निर्देशन में गर्ग पैथ लैब के विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं का हीमोग्लोबिन स्तर और अन्य रक्त संबंधी जाँच की गई। इस शिविर में लगभग 250 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई।

सिरसा | सिरसा टुडे

राजकीय नेशनल महाविद्यालय, सिरसा में आज प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह की अध्यक्षता एवं महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत के संयोजन में छात्राओं के लिए निःशुल्क रक्त जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर ही शिक्षा और जीवन में प्रगति का आधार है। उन्होंने छात्राओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण की आदत विकसित करना है। उन्होंने कहा कि महिला प्रकोष्ठ भविष्य में भी ऐसी उपयोगी गतिविधियों का आयोजन करता रहेगा ताकि छात्राओं के सर्वांगीण विकास में मदद मिल सके। जनसंपर्क अधिकारी प्रो. रमेश सोनी ने जानकारी दी कि शिविर में माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. दीप गगनेजा के निर्देशन में गर्ग पैथ लैब के विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं का हीमोग्लोबिन स्तर और अन्य रक्त संबंधी जांच की गई। शिविर में लगभग 250 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. कर्मजीत कौर, डॉ. मंजू कंबोज, प्रो. परमजीत कौर, प्रो. गीता, डॉ. सरोज बाला, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. शोभा, प्रो. नीरू, प्रो. वंदना और सुश्री निशा सहित महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।

Title of the Activity: Extension Lectures on Nutrition and Sustainable Healthcare for Female Students

Date: 17/09/2025

Venue: Conference Hall

No. Students Benefitted: 78

Names of the Teacher Organizers: Members of Women Cell

Resource Person: Dr. Gargy Munjal M.S. M.S. (Obs.& Gynae.)

Topics:

- **Prevention of Malnutrion and Anaemia amongst Women**
- **&**
- **Sustainable Health Care and Green Menstrual Products**

Objectives:

- To make students aware of the importance of balanced nutrition.
- To raise awareness regarding anaemia and its adverse effects on physical and mental well-being
- To improve their health through awareness and sensitization
- To make female students aware of sustainable health choices

A brief report:

Dr. Gargy Munjal informed the students that anaemia is one of the major health issues among women in India. Low HB level can cause many physical and psychological problems. It can create problems during pregnancy and lead to irregular menstrual cycle. She told the students that they can improve their HB level

by incorporating easily available food things such as green vegetables, pumpkin seed, dates, jaggery etc.

She also discussed the adverse effects of the non- biodegradable menstrual pads. These sanitary napkins are not only a big source of environmental pollutions but are also not a healthy alternative. She asked them to use reusable pads that can be washed and reused. She also highlighted the ill effects of microplastics on our health. She informed them about eco-friendly alternatives, and encouraged them to make informed choices that promote personal well-being, and environmental sustainability.

Photos of the Event

Media Coverage

संतुलित आहार एवं नियमित स्वास्थ्य जांच विद्यार्थियों के लिए अत्यंत जरूरी : डा. गार्गी

जागरण संवाददाता • सिरसा : राजकीय नेशनल महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह की अध्यक्षता में किया गया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डा. मीत व कालेज के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर रमेश सोनी ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य वक्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. गार्गी मुंजाल रहीं।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को जानकारी देते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ • कालेज पीआरओ

उन्होंने महिला स्वास्थ्य और जागरूकता विषय पर छात्राओं को संबोधित करते हुए विस्तार से जानकारी दी। डा. गार्गी मुंजाल ने छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, आयरन और कैल्शियम की पर्याप्तता, नियमित व्यायाम, समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें तो जीवनभर स्वस्थ रह सकती हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि स्वच्छता और संतुलित जीवनशैली अपनाकर अनेक गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। आजकल ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार है। इसमें खून की कमी के कारण उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इस कमी को पूरा करने के लिए महिलाएं अपने रसोई में रोजमर्रा में प्रयोग होने वाले खाद्य वस्तुओं जैसे गुड़ चना, खरबूजे के बीज, तरबूज के बीज, कद्दू के बीज, चिया सीड्स, अलसी के बीज आदि इस्तेमाल करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकती हैं।

डा. गार्गी ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि लड़कियों को पीरियड के समय रीयूजेबल पैड का उपयोग करना चाहिए। यह पैड कई बार धोकर दो से तीन साल तक इस्तेमाल किया जा सकता है। इस दौरान रीयूजेबल पैड छात्राओं को वितरित भी किए गए। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ के सदस्य डा. करमजीत कौर, डा. मंजू कंबोज, प्रो. परमजीत कौर, प्रो. गीता, डा. सरोज बाला, डा. मीनाक्षी, डा. शोभा, प्रो. वंदना, प्रो. नीरू, निशा सहित छात्राएं उपस्थित रही।

Title of the Activity: Three Days Workshop on Eco-Artistry with Earth and

Fibre

Organizers: Members of the Women Cell

Date: 17/09/2025 to 19/09/2025

Venue: Room No. 314

No. of Students benefitted: 50

Resource Person: Ms. Manju Ganda, Asst. Professor, GCW, Rania

Objective: To foster creativity, environmental consciousness, promote Vocal for Local and encourage eco-friendly products by engaging participants in sustainable artistic practices.

A Brief Report:

A three-day workshop on Eco-Artistry was organized to provide students with hands-on experience in sustainable artistic practices. The focus of the workshop was to integrate creativity with eco-consciousness, encouraging the use of natural, reusable, and biodegradable materials.

During the sessions, students were introduced to multiple art techniques, including block printing, stencil painting, pot painting, and diya painting. The activities were designed to help participants explore traditional methods of decoration while adapting them to contemporary, sustainable applications.

The workshop utilized a variety of eco-friendly and reusable fabrics and materials. **Cotton suits & dupattas, cotton table napkins, and cotton table mats, cotton handkerchiefs** served as the primary products for block and stencil printing. To further promote sustainable practices, students also experimented with **jute bags**, which are a practical and eco-conscious alternative to plastic handbags and carriers.

For decorative art, **earthen diyas**, **ceramic pots and clay planters** were used, highlighting the cultural and ecological value of locally available materials.

Principal Prof. Harjinder Singh expressed his pleasure, stating that art is a mirror of one's inner talent and that such activities provide a creative platform for students, boosting their confidence and spirit of innovation.

Women's Cell In-charge, Dr. Meet, explained that the workshop's aim was create awareness about traditional Indian arts as a potential means of employment and also encourage sustainable choices.

Expert Dr. Manju Ganda, a Fine Arts specialist from Government Women's College, Rania and Assistant Professor of Commerce, trained the students. She noted the resurgence of traditional Indian arts, highlighting them as a medium for self-expression and self-reliance. She encouraged students to learn seriously, as they can transform their skills into future entrepreneurial venture

The workshop not only enhanced the artistic skills of students but also instilled in them a sense of responsibility towards the environment. By engaging in these creative practices, participants realized how art can serve as a form of expression, a skill for entrepreneurship and a medium to promote sustainability. The event was marked by enthusiasm, innovation, and active participation, making it a successful step towards cultivating eco-friendly creativity among students.

Photos of the Event

Manju Ganda (Resource Person), Harjinder Singh (Principal), Organizing Team and their Artwork

The Resource Person training the Participants

Block Printed Dupattas and Suits

Participants Enjoying their Work

Participants doing Stencil Painting and Block Printing

Participants transformed plain Jute Bags with painting and block printing

Participants created patterns on plain Cotton Kitchen Napkins and Table Mats

Participants with the Items they created

Media Coverage

पारंपरिक भारतीय कलाएं आत्मनिर्भरता का माध्यम है : डा . मंजू

जागरण संवाददाता • सिरसा : राजकीय नेशनल महाविद्यालय में तीन दिवसीय फैब्रिक पेंटिंग कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डा. मीत के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। समापन सत्र में राजकीय महिला महाविद्यालय रानियां से वाणिज्य संकाय की प्राध्यापिका व फाइन आर्ट विशेषज्ञ डा. मंजू गंडा ने विद्यार्थियों को फैब्रिक पेंटिंग की नई-नई तकनीकों और रंगों के संयोजन के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने ड्रेप पेंटिंग, ब्लाक पेंटिंग, पाट पेंटिंग, जूट बैग पेंटिंग और कपड़े पर विभिन्न डिजाइन जैसे सूट, दुपट्टे, टेबल कवर, तकिया कवर, रुमाल, ड्रेसिंग टेबल मेट आदि तैयार किए।

फैब्रिक पेंटिंग कार्यशाला के समापन पर उपस्थित प्राचार्य प्रो . हरजिंदर सिंह व विद्यार्थी। • विज्ञप्ति

प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह ने कहा कला मनुष्य की आंतरिक प्रतिभा का आईना होती है। इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को सृजनात्मक मंच देने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और नवाचार की भावना भी जाग्रत करती हैं। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डा. मीत ने कहा ऐसी कार्यशालाओं का उद्देश्य इको फ्रेंडली वस्तुओं को बढ़ावा देना, लोकल फार लोकल के लिए प्रेरित करना तथा पारंपरिक भारतीय कलाओं के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना ताकि वो उसे रोजगार के रूप में भी अपना सके। उन्होंने बताया कि महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत इस तरह की कार्यशाला छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। फैब्रिक पेंटिंग जैसी कलाएं भविष्य में स्वरोजगार के अवसर भी प्रदान करती हैं। फाइन आर्ट विशेषज्ञ डा. मंजू गंडा ने कहा कि पारंपरिक भारतीय कलाएं फिर से प्रचलित हो रही हैं, जो केवल एक कला नहीं है, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति और आत्मनिर्भरता का माध्यम भी है। जो विद्यार्थी इसे गंभीरता से सीखेंगे, वे भविष्य में अपनी कला को उद्यमिता में बदल सकते हैं। समापन समारोह में श्रेष्ठ कृतियों का प्रदर्शन किया गया, जिन्हें सभी उपस्थित शिक्षकों और अतिथियों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ सदस्य डा. कर्मजीत कौर, प्रो. परमजीत कौर, प्रो. गीता, डा. सरोज बाला, डा. शोभा, डा. मीनाक्षी, प्रो. वंदना, प्रो. नीरू, निशा मौजूद रहीं।

तीन दिवसीय फैब्रिक पेंटिंग कार्यशाला संपन्न

फैब्रिक पेंटिंग कार्यशाला में मौजूद विद्यार्थी व अन्य। स्रोत : कॉलेज

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय में तीन दिवसीय फैब्रिक पेंटिंग कार्यशाला का समापन शुक्रवार को किया गया। यह कार्यशाला प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह की अध्यक्षत एवं महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। समापन सत्र में राजकीय महिला महाविद्यालय रानियां से वाणिज्य संकाय की प्राध्यापिका व फाइन आर विशेषज्ञ डॉ. मंजू गंडा ने विशेष रूप से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें फैब्रिक पेंटिंग की नई-नई तकनीकों और रंगों के संयोजन के महत्व से अवगत करवाया। विद्यार्थियों ने ड्रेप पेंटिंग, ब्लॉक पेंटिंग, पॉट पेंटिंग, जूट बैग पेंटिंग और कपड़े पर विभिन्न डिजाइन जैसे सूट, दुपट्टे, टेबल कवर, तकिया कवर, रुमाल, ड्रेसिंग टेबल मेट आदि तैयार किए। इस दौरान प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह व फाइन आर्ट विशेषज्ञ डॉ. मंजू गंडा आदि मौजूद रहे। संवाद

Title of the Activity: Workshop on Best out of Waste

Organizers: Members of Women Cell

Date: 18/09/2025

No. of Students benefitted: 35

Venue: Room No. 43

Resource Person: Neeru Mehta, GSSS Dhukra

Objective:

- To sensitize participants to the growing problem of waste and its impact on the environment.
- To promote the principles of the 3Rs: **Reduce, Reuse, and Recycle**.

A brief Report:

The resource person, Ms. Neeru Mehta, expertly guided the participants. Using a variety of waste materials such as used plastic bottles, straws, threads, wool, laces, buttons, and cardboard, she demonstrated innovative upcycling techniques. Under her guidance, students creatively crafted a range of useful and decorative products, including pen stands, wall decor, table decor, planters from old plastic bottles and bookmarks.

The workshop was highly hands-on and engaging. It successfully achieved its goal of shifting perspectives, demonstrating that waste can be a valuable resource for creativity and a step towards a more sustainable and self-reliant future.

Principal Harjinder Singh told students that waste can be leveraged for future self-

employment opportunities and it can help reduce pollution.

Photos of the Event

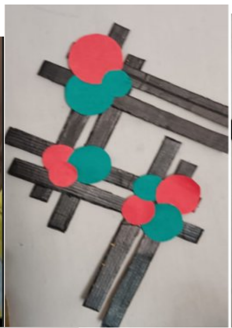

Media Coverage

पल पल | फतेहाबाद, सोमवा

जीएनसी में करवाए गए विभिन्न कार्यक्रम

ल पल न्यूज: सिरसा, 22 सितंबर। जकीय नेशनल महाविद्यालय में पर्यावरण के एए जागरूकता अभियान ग्रीन शिफ्ट के तंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया । रहा है। इस श्रृंखला में विभिन्न कार्यशालाएं व्याख्यान करवाए जा चुके हैं। जिसमें 17 तंबर को महाविद्यालय में वरिष्ठ महिला रोग शेषज्ञ डॉ गार्गी मुंजाल द्वारा महिला स्वास्थ्य ौर पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान, 17 तंबर से 19 सितंबर (तीन दिवसीय) तक ॉ मंजू गंडा के मार्गदर्शन में कपड़े, जुटे बैग, ट्टी के दिये, पॉट आदि पर ब्लॉक पेंटिंग ार्यशाला का आयोजन व 18 सितंबर को स्ट आउट ऑफ वेस्ट पर नीरू बाला के ार्गदर्शन में कार्यशाला का आयोजन इत्यादि रवाया जा चुका है। इसी सिलसिले में 20 तंबर 2025 को महाविद्यालय में गो ग्रीन म्यूट डे बड़े उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस वसर पर महाविद्यालय परिवार ने यातायात ाधनों के प्रयोग से होने वाले कार्बन उत्सर्जन ो कम करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की ध्यक्षता प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह ने की, बकि महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत के योजन में आयोजन संपन्न हुआ। प्राचार्य प्रो. रजिंदर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कार्बन उत्सर्जन केवल हमारे पर्यावरण ही नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। यदि आज की पीढ़ी ठोस कदम उठाती है तो आने वाला कल हरियाली और स्वच्छता से भरपूर हो सकता है। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत ने अपने विचार रखते हुए कहा गो ग्रीन कम्यूट डे केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। यदि हर विद्यार्थी रोजमर्रा के जीवन में यातायात के साधनों का कम से कम प्रयोग करके समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कार्बन उन्मूलन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सुझाव दिए, जैसे- रोजमर्रा जीवन में सार्वजनिक यातायात के साधनों का प्रयोग करके, कार पुलिंग, ई रिक्शा व कम दूरी के लिए साइकिल, पैदल चलकर कार्बन उत्सर्जन कम कर सकेंगे। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर रमेश सोनी ने बताया कि आने वाले दिनों में इसी श्रृंखला के अंतर्गत 24 सितंबर 2025 पर्यावरण विषय पर इंटर कॉलेज क्विज एवं पोस्टर मेकिंग और कॉलेज स्तर की बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 25 सितंबर 2025 को महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा डे-लॉग बाजार लगाया जाएगा जिसमें छात्र खान-पान और इको फ्रेंडली सामान के स्टाल लगाएंगे।

विद्यार्थियों ने लिया कार्बन उत्सर्जन को कम करने का संकल्प

प्राचार्य बोले-गो ग्रीन कम्यूट डे केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है

सिरसा केसरी न्यूज

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय में पर्यावरण जागरूकता अभियान ग्रीन शिफ्ट के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 20 सितंबर 2025 को महाविद्यालय में गो ग्रीन कम्यूट डे बड़े उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने यातायात साधनों के प्रयोग से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने का संकल्प लिया। प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कार्बन उत्सर्जन केवल हमारे पर्यावरण ही नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। यदि आज की पीढ़ी ठोस कदम उठाती है तो आने वाला कल हरियाली और स्वच्छता से भरपूर हो सकता है। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत ने अपने विचार रखते हुए कहा कि गो ग्रीन कम्यूट डे केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। यदि हर विद्यार्थी रोजमर्रा के जीवन में यातायात के साधनों का कम से कम प्रयोग करके समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कार्बन उन्मूलन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सुझाव दिए, जैसे- रोजमर्रा जीवन में सार्वजनिक यातायात के साधनों का प्रयोग करके, कार पुलिंग, ई-रिक्शा व कम दूरी के लिए साइकिल, पैदल चलकर कार्बन उत्सर्जन कम कर सकेंगे। इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ हरविंदर सिंह, डॉ. अमनदीप, डॉ कर्मजीत कौर, प्रो गीता, डॉ सरोज बाला, डॉ मीनाक्षी, डॉ शोभा, प्रो नीरू, डॉ मीनू रानी, डॉ दीपावली, डॉ प्रियंका, डॉ सविता, प्रो पूनम सेठी, डॉ पूनम, डॉ पूनम सेतिया, सुश्री निशा इत्यादि ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

Title of the Activity: Go Green Commute Day:An Awareness Campaign and Awareness Lectures

Organizers: Members of Women Cell & Carbon Footprint Committee

Date: 20/09/2025

No. of Students Benefitted: 430

Objectives:

- Raise awareness about the environmental cost of single-occupancy vehicle use.
- Encourage employees/individuals to make sustainable commute choices

- Raise awareness sustainable commute practices such as Car Pooling, E-vehicles, Cycling, Walking and use of Public Transport
- Serve as a catalyst for adopting permanent changes in commute behaviour

A Brief Report

20 September was declared Go Green Commute Day. Sh. Harjinder Singh, Principal said that means of transportation are huge source. These emissions are threat to our health and well-being. He asked students and staff to adopt ecofriendly ways of transportation to mitigate carbon emissions. Following activities were undertaken.

- Staff Participation: All staff members were enthusiastically encouraged to adopt green commute options such as cycling, walking, e-rickshaws, public transport, and carpooling.
- Recognition: Staff members who participated by using sustainable transportation were honoured by having a green ribbon tied around their wrist, symbolizing their commitment to the environment.
- Educational Lectures: Teachers delivered informative lectures in their classes, focusing on the harmful emissions caused by conventional transportation and practical ways to mitigate them.
- Student Engagement: The campaign successfully sensitized almost 400 students, making them aware of the environmental impact of their travel choices.

ECO-SMART

कार्बन उत्सर्जन मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है : प्रोफेसर हरजिंदर सिंह

सिरसा • विज्ञप्ति: राजकीय नेशनल महाविद्यालय में पर्यावरण के लिए जागरूकता अभियान ग्रीन शिफ्ट के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस श्रृंखला में विभिन्न कार्यशालाएं व व्याख्यान करवाए जा चुके हैं। जिसमें 17 सितंबर को महाविद्यालय में वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ डा. गार्गी मुंजाल द्वारा महिला स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान 17 सितंबर से 19 सितंबर तक डा मंजू गंडा के मार्गदर्शन में कपड़े, जुटे बैग, मिट्टी के दिये, पाट आदि पर ब्लाक पेंटिंग कार्यशाला का आयोजन व 18 सितंबर को बेस्ट आउट आफ वेस्ट पर नीरू बाला के मार्गदर्शन में कार्यशाला का आयोजन इत्यादि करवाया जा चुका है।

इसी सिलसिले में 20 सितंबर 2025 को महाविद्यालय में गो ग्रीन कम्यूट डे मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन केवल हमारे पर्यावरण ही नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डा. मीत ने कहा कि यदि हर विद्यार्थी रोजमर्रा के जीवन में यातायात के साधनों का कम से कम प्रयोग करके

ग्रीन शिफ्ट अभियान के तहत कार्यशाला में प्रिंसिपल हरजिंदर सिंह व प्रोफेसर हरविंदर सिंह ने अपने विचार रखें • सौजन्य स्वयं

उन्होंने कार्बन उन्मूलन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सुझाव दिए, जैसे- रोजमर्रा जीवन में सार्वजनिक यातायात के साधनों का प्रयोग करके, कार पुलिंग, ई रिक्शा व कम दूरी के लिए साइकिल, पैदल चलकर कार्बन उत्सर्जन कम कर सकेंगे। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर रमेश सोनी ने बताया कि आने वाले दिनों में इसी श्रृंखला के अंतर्गत 24 सितंबर 2025 पर्यावरण विषय पर इंटर कालेज क्विज एवं पोस्टर मेकिंग और कालेज स्तर की

का आयोजन किया जाएगा। 25 सितंबर 2025 को महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा डे-लॉग बाजार लगाया जाएगा जिसमें छात्र खान-पान और इको फ्रेंडली सामान के स्टाल लगाएंगे। इस अवसर पर उप प्राचार्य डा. हरविंदर सिंह, डा. अमनदीप, डा. कर्मजीत कौर, प्रो. गीता, डा. सरोज बाला, डा. मीनाक्षी, डा. शोभा, प्रो. नीरू, डा. मीनू रानी, डा. दीपावली, डा. प्रियंका, डा. सविता, प्रो. पूनम सेठी, डा. पूनम, डा. पूनम सेतिया, निशा इत्यादि ने पर्यावरण संरक्षण का

पर्यावरण संरक्षण पर राजकीय नेशनल महाविद्यालय में कार्यक्रम संपन्न

24 सितंबर को पर्यावरण विषय पर इंटर कॉलेज क्विज एवं पोस्टर मेकिंग और कॉलेज स्तर की बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 25 सितंबर को महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा डे-लोंग बाजार लगाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ | सिरसा

राजकीय नेशनल महाविद्यालय में पर्यावरण के लिए जागरूकता अभियान के तहत महाविद्यालय में गो ग्रीन कम्यूट डे बड़े उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने यातायात साधनों के प्रयोग से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. हरजिंद्र सिंह ने की, जबकि महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत के संयोजन में आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. हरजिंद्र सिंह ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन केवल हमारे पर्यावरण ही नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। जिसमें छात्र खान-पान और इको फ्रेंडली सामान के स्टाल लगाएंगे।

'गो ग्रीन कम्यूट डे' एक आंदोलन : डा. मीत

यदि आज की पीढ़ी ठोस कदम उठाती है तो आने वाला कल हरियाली और स्वच्छता से भरपूर हो सकता है। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत ने कहा कि गो ग्रीन कम्यूट डे केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। हर विद्यार्थी रोजमर्रा के जीवन में यातायात के साधनों का कम से कम प्रयोग करके समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। वहीं महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर रमेश सोनी ने बताया कि आने वाले दिनों में इसी श्रृंखला के अंतर्गत 24 सितंबर को पर्यावरण विषय पर इंटर कॉलेज क्विज एवं पोस्टर मेकिंग और कॉलेज स्तर की बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 25 सितंबर को महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा डे-लोंग बाजार लगाया जाएगा।

Title of the Activity: Intercollege and College Level Competitions

Date: 24/09/2025

No. of Students Benefitted: 34

Organizers: Dept EVS & Women Cell

Competitions Organized

- Intercollege Quiz
- Intercollege Poster making Competition
- College Level Competition on Best out of Waste

Objectives

- To Assess and Reinforce Knowledge on environment and sustainability
- To spread information and spark curiosity about issues related to environment and sustainability
- To raise awareness through creative expression
- To Demonstrate the Principle of 'Reduce, Reuse, Recycle' in Action

- To encourage creativity and innovation

A Brief Report

Intercollege Quiz and Intercollege Poster Making Competition

Five colleges participated. Each team consisted of three members. There were four rounds of questions. The teams of CMK National College, JCD Vidyapeeth, Shah Satnam ji Girls College, Govt. College for Women, and Govt. national College participated in the event. The result was as follows

QUIZ

- First Position - CMK National College, Sirsa
- Second Position- GNC, Sirsa
- Third Position- Shah Satnam ji Girls College

Poster Making Competition

- First Position – Snigdha, GNC, Sirsa
- Second Position- Kaveri, Shah Satnam ji Girls College
- Third Position- Angel, CMK National College, Sirsa
- **Best Out of Waste Competition (College Level)**
- 14 students participate in the competition. The students used old newspapers, bottles, disposable cups, plastic containers, unused cut pieces etc.
- First Position – Vikas, M.A. English
- Second Position- Jiya, PGDBA
- Third Position- Khushdeep, M.A. English

Photos of the Event

Poster Making Competition

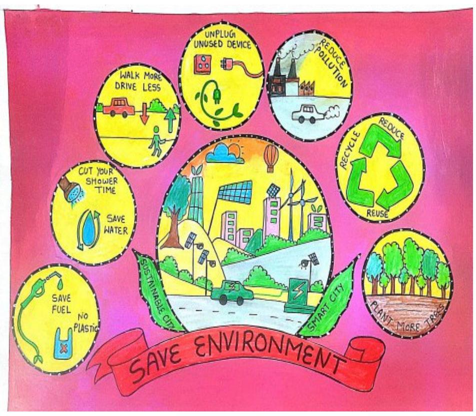

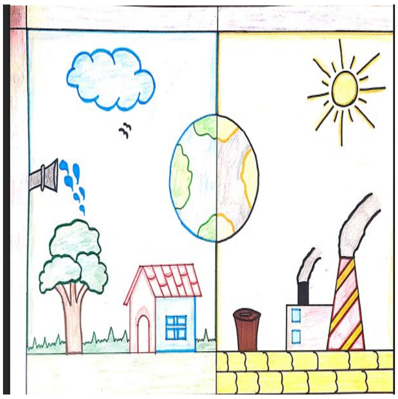

Best Out of Waste Competition

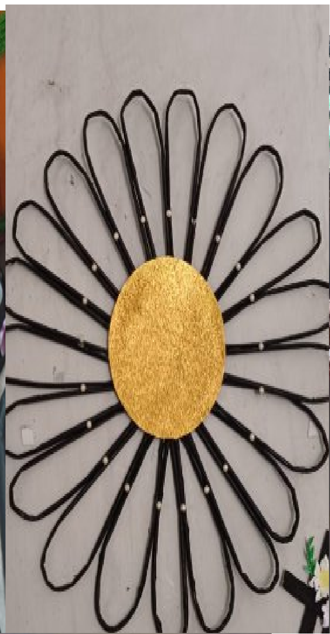

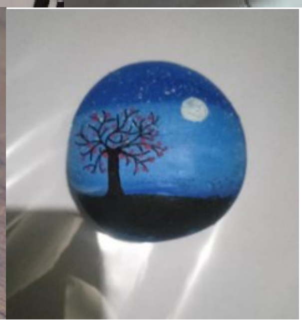

The Winners

Media Coverage

पर्यावरण संरक्षण विषय पर इंटर कॉलेज प्रतियोगिता आयोजित

सिरसा। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय में वीरवार को इंटर कॉलेज क्विज एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई। साथ ही महाविद्यालय स्तर पर बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी विशेष प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पर्यावरणीय समस्याओं, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण तथा प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी बौद्धिक क्षमता और त्वरित निर्णय लेने की योग्यता का परिचय दिया जिसमें शाह सतनाम जी गल्ज कॉलेज से छात्रा दीपिका, रितिका, सिमरन ने प्रथम, सीएमके नेशनल पीजी कॉलेज की छात्रा सोनाली, कविता, आरजू ने द्वितीय व राजकीय नेशनल महाविद्यालय, सिरसा के विद्यार्थी आस्था, स्नेहा, हर्षदीप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यार्थियों ने विषय आधारित प्रश्नों के दिए उत्तर

राजकीय नेशनल महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण विषय पर प्रतियोगिता

संवाद न्यूज़ एजेंसी

प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। स्रोत : कॉलेज

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय में वीरवार को पर्यावरण संरक्षण विषय पर इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. हरविंदर सिंह ने की। महाविद्यालय स्तर पर बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता करवाई गई। जनसंपर्क अधिकारी प्रो. रमेश सोनी ने बताया कि महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. संदीप गोयल ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की।

क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पर्यावरणीय समस्याओं, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी बौद्धिक क्षमता और त्वरित निर्णय लेने की योग्यता का परिचय दिया। इसमें शाह सतनाम गर्ल्स कॉलेज से छात्रा दीपिका, रितिका, सिमरन ने प्रथम, सीएमके नेशनल पीजी

आरज़ू ने द्वितीय व राजकीय नेशनल महाविद्यालय, सिरसा के विद्यार्थी आस्था, स्नेहा, हर्षदीप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में राजकीय नेशनल महाविद्यालय की छात्रा स्निग्धा पॉल ने प्रथम, शाह सतनाम गर्ल्स कॉलेज की छात्रा कावेरी ने द्वितीय और सीएमके कॉलेज की विद्यार्थी एंजेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, बेस्ट आउट ऑफ द वेस्ट प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने की-

आकर्षक सामान व सजावट का बहुत ही सुंदर व मनमोहक आइटम तैयार किए।

इसमें एमए इंग्लिश अंतिम वर्ष के विद्यार्थी विकास ने प्रथम, पीजीडीबीए की छात्रा जिया ने द्वितीय तथा एम ए इंग्लिश अंतिम वर्ष की छात्रा खुशदीप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया व सभी को बधाई

पोस्टर मेकिंग में स्निग्धा रही विजेता

जागरण संवाददाता • सिरसा : राजकीय नेशनल महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर हरविंदर सिंह की अध्यक्षता तथा महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डा. मीत के मार्गदर्शन में इंटर कालेज क्विज एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही, महाविद्यालय स्तर पर बेस्ट आउट आफ वेस्ट प्रतियोगिता भी करवाई गई। महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डा. संदीप गोयल ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की।

क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पर्यावरणीय समस्याओं, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण तथा प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी बौद्धिक क्षमता और त्वरित निर्णय लेने की योग्यता का परिचय दिया। जिसमें शाह सतनाम जी गर्ल्स कालेज से छात्रा दीपिका, रितिका, सिमरन ने प्रथम, सीएमके नेशनल पीजी कालेज की छात्रा सोनाली, कविता, आरजू ने द्वितीय व राजकीय नेशनल महाविद्यालय, सिरसा के विद्यार्थी आस्था, स्नेहा, हर्षदीप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में राजकीय नेशनल महाविद्यालय की छात्रा स्निग्धा पाल ने प्रथम, शाह सतनाम जी गर्ल्स कालेज की छात्रा कावेरी ने द्वितीय तथा सीएमके कालेज की विद्यार्थी एंजेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बेस्ट आउट आफ द वेस्ट स्पर्धा में एमए इंग्लिश अंतिम वर्ष के विद्यार्थी विकास ने प्रथम, पीजीडीबीए की छात्रा जिया ने द्वितीय तथा एमए इंग्लिश अंतिम वर्ष की छात्रा खुशदीप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंच संचालन डा. रमेश सोनी ने किया व निर्णायक मंडल में डा. बलदेव सिंह, डा. इंदिरा जाखड़, डा. शेर सिंह शामिल रहे। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पर्यावरण सुरक्षित रखें

प्राचार्य प्रो . हरजिंदर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी नीतियों का विषय नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जब युवा अपनी प्रतिभा और ज्ञान को इस दिशा मे लगाते हैं तो समाज मे सकारात्मक परिवर्तन अवश्य आता है। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डा . मीत ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्र-छात्राओं मे रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत करती हैं। आज की पीढ़ी ही आने वाले कल का पर्यावरण सुरक्षित रख सकती है।" कार्यक्रम मे डा . बबलेश, डा . रमेश सोनी, डा . सविता, डा . राज सिहाग, प्रो . परमजीत कौर, डा . पूनम सेतिया, डा . शोभा, डा . सरोज बाला, कुलदीप अरोड़ा, जितेंद, निशा, सरिता मौजूद रही।

Govt. National College, Sirsa

Women Cell
&
Carbon Footprint Committee

are organizing

Day Long Bazaar

on

25/09/2025

- Food Stalls
- Decor Items
- Imitation Jewellery
- Games
- Selfie Point

Venue: Multipurpose Hall

Time : 10:30 a.m. to 2:00 p.m.

We are delighted to invite you to join Day-Long Eco-Friendly Bazaar, an inspiring initiative that brings together sustainability and entrepreneurship.
This is your chance to showcase your eco-friendly products, crafts, or ideas, demonstrate entrepreneurial skills, and teamwork by setting up your own stall.

Title of the Activity **Day Long Bazaar (25 September 2025)**

Organizers**:** Members of the Women Cell & Carbon Footprint Committee

Date: 25/09/2025

Venue: Multipurpose Hall

No. of Students Participants: 70

Objectives

- To hone entrepreneurial skills of the students
- To provide real life experience for entrepreneurship
- Educate the public on environmental issues and solutions.
- Promote sustainable products and ethical businesses.
- Demonstrate greener entrepreneurial options.
- Vocal for local to reduce carbon footprint

A Brief Report

The college successfully hosted a vibrant and impactful eco-friendly bazaar, embodying the institution's commitment to environmental stewardship. The bazaar witnessed overwhelming participation from students, staff and community.

Participation & Footfall

The event was a resounding success in terms of engagement:

- Stalls: A total of 26 diverse stalls were set up.

- Student Participants: Over 70 students from various Undergraduate (UG) and Postgraduate (PG) streams actively managed the stalls, showcasing exceptional entrepreneurial and creative skills.
- Visitors: The bazaar attracted more than 500 students from the college. Both teaching and non-teaching staff visited the bazaar. The faculty members interacted with the students and appreciated their hard work, creativity and teamwork. Sh. Harjinder Singh, Principal visited each stall and encouraged the student participants. It was also graced by the presence of principals from neighbouring colleges, retired principals, and community members, reflecting a wide-reaching impact.

Highlights of the Stalls and Activities

The bazaar featured a wide array of sustainable products, cultural items, and awareness initiatives:

- **Sustainable & Upcycled Products**: Stalls offered eco-friendly alternatives, including:
  - Jute bags, cotton products, and handmade hair bands crafted from old cloth pieces.
  - Handmade key rings, handmade candles, hand-painted decor pieces, and diyas.
  - Innovative →Best out of Waste→ products, including plants potted in creatively reused containers.
  - Second-hand books to promote the circular economy.

- **Cultural & Traditional Crafts**: Adding a unique cultural dimension, several stalls featured beautiful handmade items for festivals and rituals, such as decorative pieces for Karwa Chauth, intricately designed Laddu Gopal dresses, and eco-friendly pooja thalis.
- **Food Stalls**: In a significant step, food stalls served food in *pattals* and *donas* (leaf plates and bowls) provided by the college, an initiative to eliminate the use of plastic cutlery.
- **Food Stalls served Sweet Corn**, Fresh Fruit Juice, Fruit Chat, Moth Chat, Sandwich, Golgappe, Mojito, Appe, Fried Idli, Cup Cakes, Handmade Chocolates, Dahi Bhalle ,Navratra Special
- **Entertainment & Engagement**:
  - The event was enlivened by a mesmerizing musical performance by Nipun, a student of BBA, which captivated the audience.
  - Interactive games added a fun and engaging element for visitors of all ages.
- **Carbon Footprint Committee Awareness Stall**: This pivotal stall educated visitors on making sustainable life choices.
  - The highlight was the →Pledge for a Sustainable Future→ initiative, where hundreds of visitors committed to greener lifestyles.
  - The →Go Green→ selfie point became a popular spot, allowing participants to share their support online and amplify the event's message.

Photos of the Event

Paintings and Sketches by Sahil (B.A. I)

Paintings and Art Works by Snigdha (B.Sc. III)

Food Stalls

Game Stall **Hand Made Hair Clips and Bands**

Hand Made Scented Candles

Products Made in Eco-artistry Workshop

Almost Sold the Whole Stock

Hand Made Décor Items, laddu Gopal Dresses, Hand Made Crochet Key Rings and Navratri Food

Plants **Books with free Handmade cloth carry Bag**

Dr. Sajjan Kumar (Principal, GCW, Sirsa) & Organising Team

Snighda, Sh. Ashok Bhatia (Retd. Principal), Dr. Prem Kamboj (Retd. Principal), Sh. Harjinder Singh (Principal, GNC, Sirsa), Sh. Balbir Kamboj (Retd. Principal), Dr. Meet

Mesmerising Performance by Nipun (BBA)

The Turn Out

Signing the Pledge for Sustainable Future

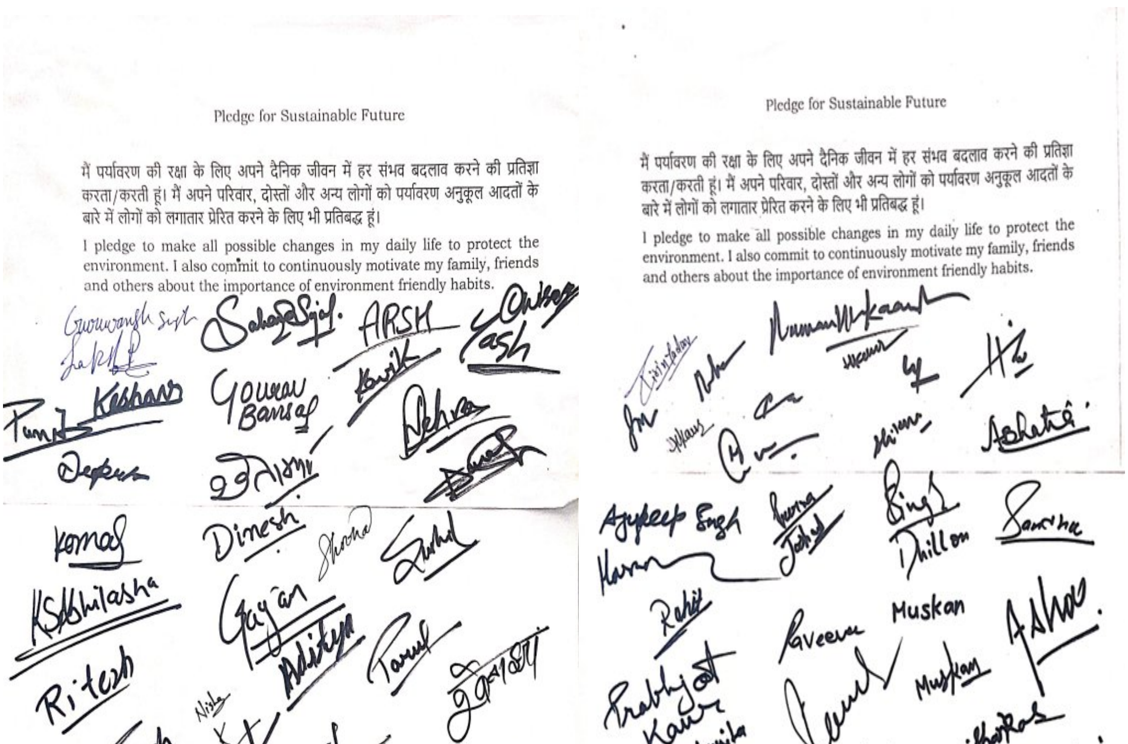

Pledge for Sustainable Future

मैं पर्यावरण की रक्षा के लिए अपने दैनिक जीवन में हर संभव बदलाव करने की प्रतिज्ञा करता/करती हूं। मैं अपने परिवार, दोस्तों और अन्य लोगों को पर्यावरण अनुकूल आदतों के बारे में लोगों को लगातार प्रेरित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हूं।

I pledge to make all possible changes in my daily life to protect the environment. I also commit to continuously motivate my family, friends and others about the importance of environment friendly habits.

Pledge for Sustainable Future

मैं पर्यावरण की रक्षा के लिए अपने दैनिक जीवन में हर संभव बदलाव करने की प्रतिज्ञा करता/करती हूं। मैं अपने परिवार, दोस्तों और अन्य लोगों को पर्यावरण अनुकूल आदतों के बारे में लोगों को लगातार प्रेरित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हूं।

I pledge to make all possible changes in my daily life to protect the environment. I also commit to continuously motivate my family, friends and others about the importance of environment friendly habits.

Go Green Selfie

Media Coverage

री–यूजेबल प्रोडक्ट्स का उपयोग करें : प्रो . हरजिंदर

जासं • सिरसा : राजकीय नेशनल महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह की अध्यक्षता एवं महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डा. मीत के मार्गदर्शन में इको-फ्रेंडली डे लांग बाजार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराना और उन्हें पर्यावरण हितैषी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

राजकीय नेशनल कालेज में इको–फ्रेंडली डे लांग बाजार में उपस्थित स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी। • विज्ञप्ति

महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी प्रो. रमेश सोनी ने बताया कि डे लाग बाजार में विद्यार्थियों ने खाने पीने के सामान जैसे इडली, वडा पाव, मोठ चाट, भेलपुरी, सैंडविच, फ्रूट चाट, स्वीट कार्न के अलावा कपड़े के थैले, किताबें, जूट बैग, मिट्टी के बर्तन, बांस की वस्तुएं, सजावट का सामान, बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स, वेस्ट मेटेरियल से बना सामान और अन्य री-यूजेबल प्रोडक्ट्स के लगभग 40 से अधिक स्टाल लगाए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और नान टीचिंग स्टाफ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्य डा. अशोक भाटिया, डा. बलबीर कंबोज, डा. प्रेम कंबोज व पंजाबी विभाग के पूर्व अध्यक्ष हरविंदर कौर उपस्थित रहे।

प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास जैसे प्लास्टिक की जगह री-यूजेबल प्रोडक्ट्स का उपयोग, हमारी धरती को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। डा. मीत ने कहा कि ऐसे आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र निपुण व जतिन ने गीत की प्रस्तुति दी।

कॉलेज में लगाया इको फ्रेंडली डे लॉन्ग बाजार

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्याल में इको-फ्रेंडली डे लॉन्ग बाजार का वीरवार को आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराना और उन्हें पर्यावरण हितैषी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। मीडिया प्रभारी प्रो. रमेश सोनी ने बताया कि इस डे लॉन्ग बाजार में विद्यार्थियों ने खाने पीने के सामान जैसे इडली, वडा पाव, मोठ चाट, भेलपुरी, सैंडविच, फ्रूट चाट, स्वीट कॉर्न के अलावा कपड़े के थैले, किताबें, जूट बैग, मिट्टी के बर्तन, बांस की वस्तुएं, सजावट का सामान, बच्चों की ओर से बनाई गई पेंटिंग्स, वेस्ट मटेरियल से बना सामान और अन्य री-यूजेबल प्रोडक्ट्स के लगभग 40 से अधिक स्टाल लगाए गए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और नॉन टीचिंग स्टाफ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. अशोक भाटिया, डॉ. बलबीर कंबोज, डॉ. प्रेम कंबोज व पंजाबी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. हरविंदर कौर सहित महाविद्यालय के सभी विभागों से प्राध्यापक उपस्थित रहे। संवाद

कॉलेज में लगा इको फ्रेंडली डे लांग बाजार

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा में इको-फ्रेंडली डे लांग बाजार का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराना और उन्हें पर्यावरण हितैषी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी प्रो. रमेश सोनी ने बताया कि इस डे लांग बाजार में विद्यार्थियों ने खाने पीने के सामान जैसे इडली, वडा पाव, मोठ चाट, भेलपुरी, सैंडविच, फ्रूट चाट, स्वीट कॉर्न के अलावा कपड़े के थैले, किताबें, जूट बैग, मिट्टी के बर्तन, बांस की वस्तुएं, सजावट का सामान, बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स, वेस्ट मेटीरियल से बना सामान और अन्य री-यूजेबल प्रोडक्ट्स के लगभग 40 से अधिक स्टाल लगाए गए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

नेशनल कॉलेज में लगाया गया इको फ्रेंडली डे लॉन्ग बाजार

पल पल न्यूज: सिरसा, 25 सितंबर। राजकीय नेशनल महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह की अध्यक्षता एवं महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत के मार्गदर्शन में इको-फ्रेंडली डे लॉग बाजार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराना और उन्हें पर्यावरण हितैषी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी प्रो. रमेश सोनी ने बताया कि इस डे लॉन्ग बाजार में विद्यार्थियों ने खाने पीने के सामान जैसे इडली, वडा पाव, मोठ चाट, भेलपुरी, सैंडविच, फरूट चाट, स्वीट कॉर्न के अलावा कपड़े के थैले, किताबें, जूट बैग, मिट्टी के बर्तन, बांस की वस्तुएं, सजावट का सामान, बच्चों के द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स, वेस्ट मटेरियल से बना सामान और अन्य री-यूजेबल प्रोडक्ट्स के लगभग 40 से अधिक स्टाल लगाए गए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. अशोक भाटिया, डॉ. बलबीर कंबोज, डॉ. प्रेम कंबोज व पंजाबी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. हरविंदर कौर सहित महाविद्यालय के सभी विभागों से प्राध्यापक उपस्थित रहे। प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह ने कहा, छोटे छोटे प्रयास जैसे प्लास्टिक की जगह री यूजेबल प्रोडक्ट्स का उपयोग, हमारी धरती को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। डॉ. मीत ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि >शेष पेज 2 पर...